कोल इंडिया लिमिटेड राष्ट्र निर्माण के 50 गौरवशाली वर्ष मनाने जा रही है

कोयला उत्पादन और उठाव 5 दशकों में 10 गुना बढ़ा

Posted On: 01 NOV 2025 8:53PM by PIB Delhi

कोयला मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के तौर पर अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर करने जा रही है। 1 नवंबर 2025 को सीआईएल अपनी स्थापना के 51वें वर्ष में प्रवेश करेगी। 1 नवंबर 1975 को स्थापित, सीआईएल का गठन राष्ट्रीयकृत कोकिंग कोयला खदानों (1971) और गैर-कोकिंग कोयला खदानों (1973) की शीर्ष होल्डिंग कंपनी के रूप में किया गया था। 2.2 लाख से अधिक समर्पित कर्मचारियों के साथ, सीआईएल देश के सबसे बड़े कॉर्पोरेट नियोक्ताओं में से एक बनी हुई है।

महारत्न कोयला दिग्गज का उत्पादन पांच दशकों में लगभग दस गुना बढ़कर 1975 में इसकी स्थापना के वर्ष के 79 एमटी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 के अंत तक 781 एमटी हो गया, जो 702 मिलियन टन (एमटी) की बढ़ोतरी है। इसी प्रकार, संदर्भित अवधि के दौरान कोयले की आपूर्ति 685 एमटी बढ़कर 78 एमटी से 763 एमटी हो गई।

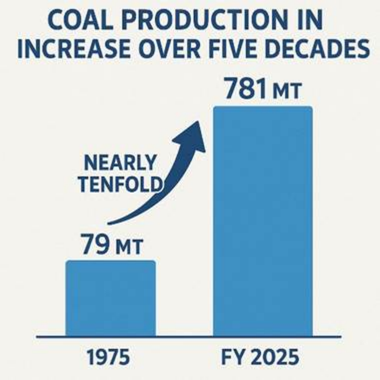

दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में उत्पादन और उठाव की गति सबसे तेज रही। वित्त वर्ष 2014-15 के दौरान पीएसयू का उत्पादन 494 मीट्रिक टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 781 मीट्रिक टन हो गया, जो 287 मीट्रिक टन की एक बड़ी छलांग थी। यह कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा पांच दशकों में हासिल की गई कुल 702 मीट्रिक टन वृद्धि का लगभग 41% है। कोयला उठाव में भी दशक के दौरान वृद्धि 40% के उच्च स्तर पर रही, जो मात्रा के लिहाज से वित्त वर्ष 2014-15 के 489 मीट्रिक टन से 274 मीट्रिक टन बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 763 मीट्रिक टन हो गई।

सीआईएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "किसी भी कंपनी के लिए देश के ऊर्जा क्षेत्र में लगातार 50 वर्षों तक अग्रणी रहना और देश के कुल कोयला उत्पादन का 75% हिस्सा हासिल करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।" यह सीआईएल की बढ़ती प्रतिबद्धता और कोयला उत्पादन को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कोयला मंत्रालय की प्रेरणा को दर्शाता है।

इस वर्ष सीआईएल का स्थापना दिवस श्री पी एम प्रसाद के सेवानिवृत्ति पर चेयरमैन पद छोड़ने के साथ ही पड़ा। कोयला मंत्रालय में अपर सचिव श्री सनोज कुमार झा ने सीआईएल के चेयरमैन पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला। सीआईएल की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सीएमडी श्री बी साईराम को देश के सरकारी हेडहंटर पब्लिक एंटरप्राइजेज सेलेक्शन बोर्ड द्वारा सीआईएल के चेयरमैन पद के लिए चुना गया था, लेकिन उन्होंने अभी तक औपचारिक रूप से कार्यभार नहीं संभाला है।

विविधीकरण उद्यम

अपनी मुख्य क्षमता के अलावा, सीआईएल विविधीकरण पहलों में भी आगे बढ़ रहा है, जिसमें पहले चरण में वित्त वर्ष 2028 तक 3000 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, महत्वपूर्ण खनिजों का अधिग्रहण, कोयला गैसीकरण आदि शामिल हैं।

विविधीकरण के तहत, सीआईएल ने हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) के साथ लगभग 30 प्रतिशत हिस्सेदारी में तीन बड़े उर्वरक संयंत्र स्थापित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। तीनों संयंत्र वित्त वर्ष 2024 से लाभ अर्जित करते हुए चालू हो गए हैं। पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान, सीआईएल का संयुक्त लाभ 900 करोड़ रुपये रहा। एचयूआरएल ने पहला अंतरिम लाभांश भी घोषित किया है, जहां कुल 1343 करोड़ रुपये में से सीआईएल का हिस्सा 404 करोड़ रुपये था।

सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण खनिजों की घरेलू नीलामी में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। यह ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और चिली जैसे खनिज समृद्ध देशों में लिथियम, ग्रेफाइट और कोबाल्ट पर विशेष ध्यान देते हुए विदेश में संपत्तियां हासिल करने की भी कोशिश कर रही है। कंपनी पहले ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में दो ग्रेफाइट ब्लॉकों के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है। सीआईएल आंध्र प्रदेश में ओंतिल्लू-चंद्रगिरी आरईई ब्लॉक के लिए भी पसंदीदा बोलीदाता थी और उसने रेयर अर्थ एलिमेंट्स को लक्षित करते हुए इस ब्लॉक के लिए अन्वेषण लाइसेंस हासिल किया।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) तीन भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ मिलकर अमोनियम नाइट्रेट और सिंथेटिक प्राकृतिक गैस के लिए संयुक्त उद्यम के माध्यम से तीन गैसीकरण परियोजनाओं पर काम कर रही है। प्रत्येक परियोजना के लिए 1350 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता हेतु कोयला मंत्रालय के साथ कोयला गैसीकरण संयंत्र विकास एवं उत्पादन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

श्रमिक कल्याण

कोयला खदान श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और पेंशन संबंधी लाभों को मज़बूत करने के लिए, कोयला मंत्रालय ने हाल ही में एक नया मसौदा विधेयक "कोयला खदान कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान विधेयक, 2025" पेश किया है। इस पर टिप्पणियां आमंत्रित की जा रही हैं।

श्रमिक कल्याण को बढ़ावा देते हुए, 17 सितंबर से खदान दुर्घटनाओं में मृत्यु होने पर कोयला श्रमिकों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 15 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया है। कोल इंडिया की "वी केयर" पहल के तहत यह राशि नियमित और ठेका श्रमिकों दोनों पर समान रूप से लागू होगी। नियमित कोयला श्रमिकों को 1 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। ठेका श्रमिकों को अब पहली बार 40 लाख रुपये की बीमा पॉलिसी दी गई है। कर्मचारियों को इस कवरेज के लिए कोई प्रीमियम नहीं देना होगा, जिससे यह वास्तव में कल्याणकारी उपाय बन गया है।

समावेशी विकास की एक महत्वपूर्ण शाखा के रूप में, सीआईएल और उसके अंतर्गत आने वाली कोयला कंपनियों ने पिछले दस वर्षों में 6,149 करोड़ रुपये का व्यय किया है। यह वैधानिक आवश्यकता से 26% अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सीआईएल का सीएसआर खर्च 850 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 654 करोड़ रुपये की तुलना में 30% अधिक है। सीआईएल की प्रमुख सीएसआर पहल थैलेसीमिया बाल सेवा योजना है, जिसके तहत सीआईएल ने थैलेसीमिया और अप्लास्टिक एनीमिया से पीड़ित 800 से अधिक बच्चों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

सीआईएल अपने 51वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और एक स्थायी, आत्मनिर्भर और कार्बन-जागरूक भविष्य की ओर बढ़ते हुए भारत के विकास को गति देने की अपनी विरासत को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

****

पीके/केसी/एमपी

(Release ID: 2185408) Visitor Counter : 68
Read this release in: English , Urdu